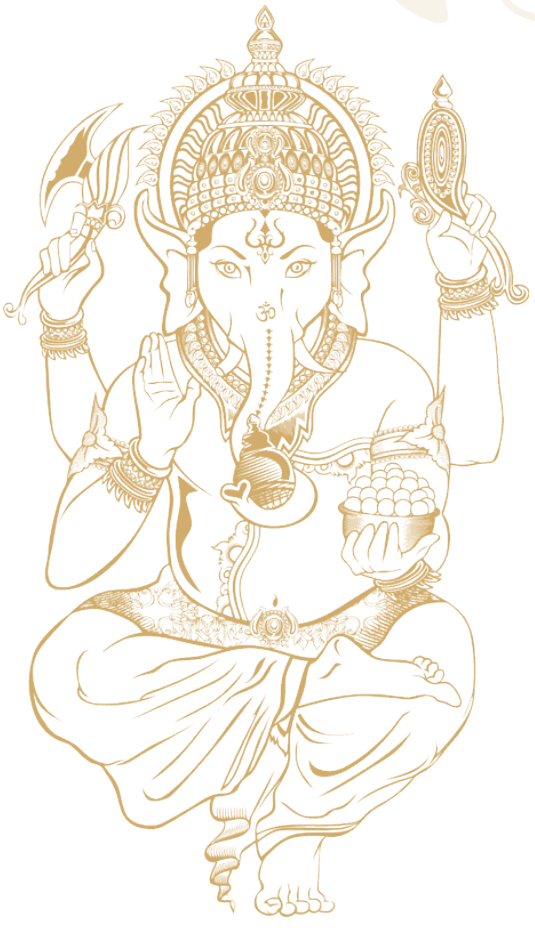

Swapnil

Snehlata

Model: Web-FreeMatching

Order No: 120936909

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
24/06/1994	जन्म तिथि	29/05/2002
शुक्रवार	दिन	बुधवार
घंटे 14:00:00	जन्म समय	07:10:00 घंटे
घटी 21:07:16	जन्म समय(घटी)	04:05:50 घटी
India	देश	India
Nagpur	स्थान	Nagpur
21:10:00 उत्तर	अक्षांश	21:10:00 उत्तर
79:12:00 पूर्व	रेखांश	79:12:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:13:12	स्थानिक संस्कार	-00:13:12 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:33:05	सूर्योदय	05:31:39
18:57:55	सूर्यास्त	18:49:40
23:47:02	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:09

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शुक्र 9वर्ष 1मा 25दि	03:04:04	तुला	लग्न	मिथु	06:22:16	शुक्र 15वर्ष 0मा 22दि
मंगल	08:49:38	मिथु	सूर्य	वृष	13:38:42	चन्द्र
19/08/2019	20:33:54	धनु	चंद्र	धनु	16:37:30	21/06/2023
19/08/2026	29:21:21	मेष	मंगल	मिथु	06:29:50	20/06/2033
मंगल 15/01/2020	10:27:33	मिथु व	बुध व	वृष	10:56:49	चन्द्र 20/04/2024
राहु 02/02/2021	11:04:31	तुला व	गुरु	मिथु	22:06:12	मंगल 19/11/2024
गुरु 09/01/2022	16:47:15	कर्क	शुक्र	मिथु	16:16:59	राहु 21/05/2026
शनि 17/02/2023	18:37:06	कुंभ व	शनि	वृष	23:05:28	गुरु 20/09/2027
बुध 15/02/2024	29:29:00	तुला व	राहु	वृष	23:56:43	शनि 20/04/2029
केतु 13/07/2024	29:29:00	मेष व	केतु	वृश्चि	23:56:43	बुध 20/09/2030
शुक्र 12/09/2025	01:27:47	मक व	हर्ष	कुंभ	04:56:23	केतु 21/04/2031
सूर्य 18/01/2026	28:42:51	धनु व	नेप व	मक	17:01:49	शुक्र 20/12/2032
चन्द्र 19/08/2026	01:57:35	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	22:38:02	सूर्य 20/06/2033

लग्न-चलित

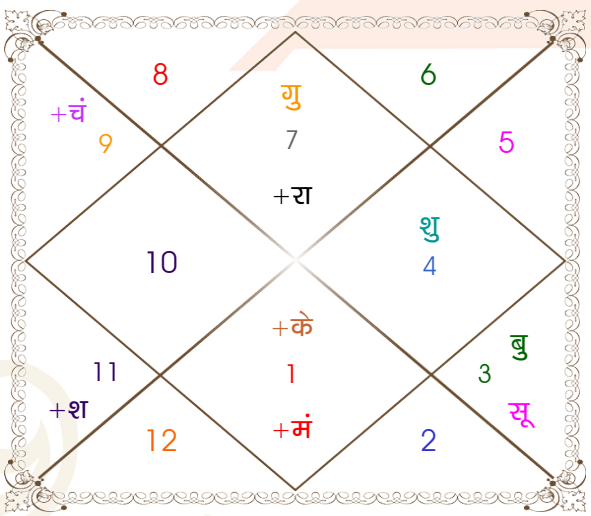

लग्न-चलित

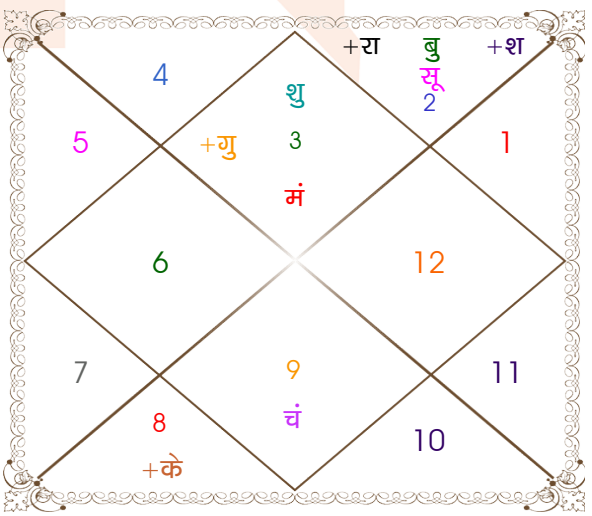

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	चतुष्पाद	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	वानर	वानर	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	धनु	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	28.00		

Swapnil का वर्ग मूषक है तथा Snehlata का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Swapnil और Snehlata का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Swapnil मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

चतुः सप्तमे भौमो मेषकर्कटे निग्रहः।
कुजदोषो न विद्यते।।

अर्थात् चतुर्थ तथा सप्तम भाव में यदि मेष या कर्क का मंगल हो तो कुजदोष समाप्त हो जाता है। क्योंकि मंगल Swapnil कि कुण्डली में सप्तम् भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Swapnil कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

सप्तमो यदा भौमः गुरूणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि Swapnil कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

Snehlata मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Snehlata कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत्।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत्।।

यदि एक की कुंडली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुंडली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Swapnil कि कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Swapnil तथा Snehlata में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।